वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-2463380
फैक्स : 0755-2461703
ई-मेल:eklavyamp@mantrafreenet.com

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
website : www.srote.com

अंक 181
दिसम्बर 2003

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

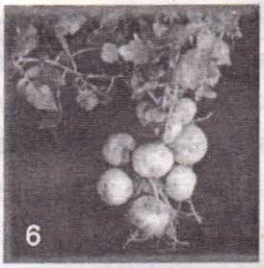

जीन-परिवर्तित आलू और कुपोषण

स्त्री-पुरुष भेद क्या रासायनिक

प्राणी भी ममता रखते हैं

कांच को कितना ही तराशें, हीरे जैसा चमकता क्यों नहीं?
इस वर्ष के नोबल पुरस्कार - उपयोगी शोध का सम्मान : डॉ. सुशील जोशी 2
हिटलर को बचाने पेनिसिलीन कहां से आई? 5
क्या जीन-परिवर्तित आलू से कुपोषण समस्या हल होगी? : सुनील 6
एक मानवीय त्रुटि की कीमत 8
मंगल ग्रह की लाली का राज़ 9
एक नई आवर्त तालिका 10
नशीली दवाइयां नए अनुभवों के असर को रोकती हैं 11
स्त्री-पुरुष के बीच अंतर क्या रासायनिक हैं? : डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन 12
खतरनाक हो सकता है ब्लू बेबी सिंड्रोम : दीपांजन मजूमदार 15
आकाश दर्शन 17
ठण्ड का दुश्मन - गराडू : डॉ. किशोर पंवार 18
प्राणी भी ममता रखते हैं अपनी संतानों के प्रति : चंद्रशीला गुप्ता 20
मनीप्लांट से गृहसज्जा : डॉ. एन. के. बौहरा 22
परागकणों का सफर - हवा से हवा तक : डॉ. किशोर पंवार 23
पेट में गैस कहां से आती है? : डॉ. सुशील जोशी 26
टी.बी. के इलाज में चर्बी का महत्व 28
कैंसर के निदान की नई तकनीक - ऑप्टोफोरेसिस 29
मेघनाद साह की याद में : रामकृष्ण भट्टाचार्य 30
पी.ए.एच. - हमारे वातावरण में घुलता ज़हर : मोहनराज व अज़ीज़ 32
मानव जीवन और अवसाद : डॉ. रमेश उकावत 35
प्रथम भारतीय उपग्रह का प्रक्षेपण : सतीश धवन 37
क्लोन सुअरों का दुखद अंत

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।